Parimal Nathwani
Member of Parliament
(Rajya Sabha)

Member:
Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law & Justice
Consultative Committee, Ministry of Commerce and Industry
Permanent Special Invitee:
Consultative Committee, Ministry of External Affairs

सत्यमेव जयते

165, South Avenue,
New Delhi - 110 011
Ph.: 011-23794010
e-mail : parimal.nathwani@sansad.nic.in

' Vraj ', Opp. HDFC Bank,
Beside Chandanbala Tower,
Nr. Suvidha Shopping Centre,
Paldi, Ahmedabad - 380 007

मीडिया रीलिज

झारखण्ड में उग्रवाद प्रभावित जिलों में 760 कि.मी. लम्बाई में 32 परियोजनाओं का कार्य चालू

सड़कों को चार-लेन करने की 03 परियोजनाएं कार्यान्वयन के अधीन

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का राज्य सभा सांसद परिमल नथवाणी को सदन में उत्तर

अप्रैल 26, 2013 : इस समय झारखण्ड में राजमार्गों और पुलों के 39 कार्य प्रगति पर हैं और पांच अन्य प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. तुषार ए. चौधरी ने राज्य सभा सांसद श्री परिमल नथवाणी के इस विषय में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में यह जानकारी दी। आपने कहा कि प्राथमिकता देने के लिए अलग स्कीम के अंतर्गत वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में सड़कों की पहचान कर के स्वीकृति दी जा चुकी है। इसके तहत 760 कि.मी. की लम्बाई में 32 परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

श्री नथवाणी द्वारा यह पूछे जाने पर कि झारखण्ड में आगामी तीन वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्गों एवम् पुलों के निर्माण के लिए निर्धारित किए गए वास्तविक एवम् वित्तीय लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है; मंत्री महोदय ने बताया कि लक्ष्य केवल वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए नियत किए जाते हैं और अगले तीन वर्षों के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों और पुलों के निर्माण के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया। यद्यपि आपने यह कहा कि पिछले तीन वर्षों के दौरान झारखण्ड में राष्ट्रीय राजमार्गों की 78 कि.मी. लम्बाई निर्मित की गई /चार लेन में बदला किया।

आपने आगे कहा कि झारखण्ड में चार लेन बनाने के लिए तीन परियोजनाएं कार्यान्वयनाधीन हैं जिनमें से आज की तारीख के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग 33 के हजारीबाग-रांची खण्ड को चार लेन बनाने की एक परियोजना भूमिअधिग्रहण की वजह से विलम्ब में पड़ी है। यह कार्य जुलाई 2013 तक पूरा कर लिए जाने का लक्ष्य है, ऐसा भी आपने बताया।

पिछले तीन वर्षों 2010-11, 2011-12 और 2012-13 के दौरान झारखण्ड के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में सड़कों और राजमार्गों के निर्माण के लिए क्रमशः रु. 40 करोड़, रु. 115 करोड़ और रु. 200 करोड़ का आबंटन हुआ और इन आबंटनों के सामने इन्हीं वर्षों में क्रमशः रु. 39.96 करोड़, रु. 110.56 करोड़ और रु. 190.08 करोड़ का खर्च हुआ।

मंत्री महोदय ने अपने उत्तर के साथ दी तालिका में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उनके रखरखाव और मरम्मत के लिए किए गए आबंटन एवम् व्यय के आंकड़े भी प्रस्तुत किए। इनके मद्देनजर, झारखण्ड में यह काम अच्छा और संतोषजनक प्रतीत होता है।

★ ★ ★